

भारत सरकार  
रेल मंत्रालय

लोक सभा  
18.03.2020 के

अतारांकित प्रश्न सं. 4040 का उत्तर

रेल दुर्घटनाएं

4040. श्री सुधीर गुप्ता:

श्री श्रीरंग आप्पा बारणे:

श्री गजानन कीर्तिकर:

श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक:

श्री बिद्युत बरन महतो:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या रेल दुर्घटनाओं की संख्या में कमी आई है;
- (ख) यदि हां, तो विगत तीन वर्षों के प्रत्येक वर्ष और चालू वर्ष के दौरान दुर्घटनाओं का ब्यौरा क्या है;
- (ग) क्या यह भी सच है कि रेल दुर्घटना के कारण मृतक और घायल व्यक्तियों की संख्या में तेजी से कमी आई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (घ) क्या त्वरित पटरी नवीनीकरण, अल्ट्रासोनिक रेल डिटेक्शन प्रणाली, कई मानवरहित समपारों को समाप्त करना इत्यादि सहित सुरक्षा उपायों को प्राथमिकता के आधार पर करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
- (ङ) देश में रेल सुरक्षा बढ़ाने के लिए और भविष्य में होने वाली रेल दुर्घटनाओं से बचने के लिए सरकार द्वारा अन्य क्या उपाए किए जा रहे हैं?

उत्तर

रेल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री (श्री पीयूष गोयल)

(क) से (ङ): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

\*\*\*\*\*

रेल दुर्घटनाओं के संबंध में 18.03.2020 को लोक सभा में श्री सुधीर गुप्ता, श्री श्रीरंग आप्पा बारणे, श्री गजानन कीर्तिकर, श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक एवं श्री बिद्युत बरन महतो के अतारांकित प्रश्न सं. 4040 के भाग (क) से (ड) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ग): जी हां। विगत तीन वर्षों अर्थात् 2016-17 से 2018-19 और चालू वर्ष 2019-20 (1 अप्रैल, 2019 से 13 मार्च, 2020 तक) के दौरान परिणामी गाड़ी दुर्घटनाओं और घायल/मारे गए व्यक्तियों की संख्या का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

वर्ष	परिणामी गाड़ी दुर्घटनाओं की संख्या	हताहतों की संख्या			
		मारे गए		घायल हुए	
		रेल यात्रियों	रेल यात्रियों के अलावा	रेल यात्रियों	रेल यात्रियों के अलावा
2016-17	104	195	43	346	23
2017-18	73	28	30	182	17
2018-19	59	16	21	90	22
2019-20# (13 मार्च, 2020 तक)	55	00	05	73	08

# अभी तक चालू वित्त वर्ष में किसी भी परिणामी गाड़ी दुर्घटना में यात्री की मृत्यु नहीं हुई है।

(घ) एवं (ड): जी हां। रेलपथ नवीकरण कार्य को प्रतिवर्ष करने की योजना बनाई जाती है और उनके निष्पादन कार्य को रेलपथ की स्थिति के अनुसार प्राथमिकता दी जाती है। रेलपथ नवीकरण कार्यों के जरिए रेलपथों को बदला जाता है जोकि एक सतत् प्रक्रिया है। रेलपथ नवीनीकरण का कार्य, जब कभी रेलपथ का कोई भाग नवीनीकरण के लिए देय होता है, इसे आयु/स्थिति अर्थात् सकल मिलियन टन के अनुसार ढोए गए माल, पटरी की टूट-फूट/विफलता की घटना, पटरियों की घिसावट, पटरियों में जंग, मानकों के अनुसार रेलपथ का अनुरक्षण आदि के आधार पर भारतीय रेल रेलपथ नियमावली में निर्धारित मापदंड के आधार पर नवीनीकृत किया जाता है।

बड़ी आमान पर सभी मानवरहित समपारों को 31.01.2019 को समाप्त कर दिया गया है।

इसके अतिरिक्त, भारतीय रेल पर दुर्घटनाओं को रोकने और यात्रियों की संरक्षा बढ़ाने के लिए निम्नलिखित कदम/उपाए किए गए हैं:-

1. महत्वपूर्ण संरक्षा संबंधी परिसंपत्तियों के बदलाव/नवीकरण/अपग्रेडेशन के लिए 2017-18 में एक लाख करोड़ रुपए की राशि से पांच वर्ष के लिए राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष की शुरुआत की गई है।
2. मानवीय चूक के कारण दुर्घटनाओं को समाप्त करने और पुरानी यांत्रिक प्रणालियों को बदलने के लिए पॉइंट और सिगनल के केंद्रीय परिचालन सहित इलेक्ट्रिकल/इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम को उत्तरोत्तर मुहैया कराया जा रहा है। 29.02.2020 तक, लगभग 6,084 स्टेशनों पर ये प्रणालियां मुहैया करा दी गई हैं।
3. अगली गाड़ी को लाइन क्लियर देने से पहले मानवीय हस्तक्षेप के बिना गाड़ी का संपूर्ण आगमन सुनिश्चित करने और मानवीय तत्व को कम करने के लिए 29.02.2020 तक 5,661 ब्लाक खंडों पर स्वचालित क्लीयरेंस के लिए धुरा काउंटर मुहैया कराए गए हैं।
4. यूरोपियन गाड़ी नियंत्रण प्रणाली लेवल-1 (ईटीसीएस-एल-1) प्रौद्योगिकी पर आधारित गाड़ी सुरक्षा और चेतावनी प्रणाली (टीपीडब्ल्यूएस) नामक स्वचालित गाड़ी सुरक्षा (एटीपी) प्रणाली को 345 मार्ग किमी (200 किमी दिल्ली-आगरा खंड, 117 मार्ग किमी चेन्नै उपनगरीय खंड और मेट्रो रेलवे कोलकाता के 28 मार्ग किमी) पर कार्यान्वित किया गया है।
5. एटीपी प्रणाली का पुराना संस्करण जिसे सहायक चेतावनी प्रणाली (एडब्ल्यूएस) कहा जाता है, को इस समय मध्य रेलवे (289 मार्ग किलोमीटर) और पश्चिम रेलवे (124 मार्ग किलोमीटर) के मुंबई उपनगरीय खंड में 413 मार्ग किलोमीटर में कार्य कर रहा है।
6. गाड़ी टक्कररोधी बचाव प्रणाली(टीसीएस): गाड़ी टक्कररोधी बचाव प्रणाली एक स्वदेशी स्वचालित गाड़ी चेतावनी (एटीपी) प्रणाली है, जिसे भारत के विनिर्माताओं के सहयोग से विकसित किया गया है। इस प्रणाली को दक्षिण मध्य रेलवे के लिंगमपल्ली-विकाराबाद-वाडी- और विकाराबाद-बिदर खंडों (250 किमी) पर संस्थापित किया गया है। इसके अतिरिक्त, प्रणाली को दक्षिण मध्य रेलवे पर 1199 मार्ग किमी पर क्रियान्वित किया जा रहा है।

7. स्वर्णिम चतुर्भुज और विकर्ण मार्गों पर 1609 करोड़ रुपए की कुल लागत से कुल 640 मार्ग किमी की लंबाई की 4 पायलट परियोजनाओं को निम्नलिखित खंडों पर आधुनिक गाड़ी नियंत्रण प्रणालियों के परीक्षणों के लिए मंजूरी दी गई है:

क्र. सं.	खंड	रेलवे
1	नागपुर-बदनेरा	मध्य रेलवे
2	रेनिगुंटा-येरागुंतला	दक्षिण मध्य रेलवे
3	विजयनगरम-पलासा	पूर्व तट रेलवे
4	बीना-झांसी	उत्तर मध्य रेलवे

8. 29.02.2020 तक, 11,622 समपार फाटकों पर दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए सिगनल वाले समपार फाटकों की इंटरलॉकिंग कर दी गई है।
9. स्वचालित गाड़ी सुरक्षा प्रणाली सहित सिगनलिंग के आधुनिकीकरण सहित मौजूदा नई दिल्ली-हावड़ा और नई दिल्ली-मुंबई मार्गों पर 160 किमीप्रघं की गति बढ़ाने के दो कार्यों को स्वीकृत किया गया है।
10. भारतीय रेल में सभी डीजल और विद्युत रेल इंजनों पर सतर्कता नियंत्रण उपकरण मुहैया करा दिए गए हैं।
11. कोहरा प्रभावित क्षेत्रों में लोको पायलटों के लिए अति आवश्यक ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) आधारित फॉग पास डिवाइस मुहैया कराए जा रहे हैं, जिससे लोको पायलटों को आने वाले सिगनलों, समपार फाटकों और अन्य महत्वपूर्ण चिह्नों की सही दूरी के बारे में पता चल सके।
12. लोको पायलटों के ड्राइविंग कौशल और उनके प्रतिक्रिया समय में सुधार लाने के लिए उन्हें सिमुलेटर आधारित प्रशिक्षण दिया जा रहा है।
13. 2018-19 के दौरान, 4181 किलोमीटर (संपूर्ण रेलपथ नवीकरण यूनिट में) रेलपथ नवीकरण किया गया है। मौजूदा वर्ष अर्थात् 2019-20 के दौरान, फरवरी 2020 तक 4278 किलोमीटर रेलपथ नवीकरण कर दिया गया है।
14. संरक्षा में सुधार लाने के लिए, प्राथमिक रेलपथ नवीकरण के दौरान आधुनिक रेलपथ संरचना का उपयोग किया जा रहा है, जिसमें पूर्वबलित कंक्रीट स्लीपर (पीएससी) 60 किलोग्राम, 90 किलोग्राम या उच्चतर तनन क्षमता वाली पटरियों, पीएससी स्लीपरों पर फैन्शेप लेआउट टर्नआउट, गर्डर पुलों पर स्टील चैनल स्लीपरों का उपयोग किया जाता है।

15. भारतीय रेल के सभी महत्वपूर्ण मार्गों के लिए थिक वेब स्विचों (टीडब्ल्यूएस) के प्रावधान की योजना बनाई गई है। थिक वेब स्विचों के प्रावधान में तेजी लाने के लिए थिक वेब स्विचों की खरीद क्षेत्रीय रेलों को विकेंद्रीकृत कर दी गई है।
16. रेलपथ में एल्यूमिनो थर्मिट जॉइंट की संख्या कम करने के लिए इस्पात संयंत्र में 260 मीटर/130 मीटर लंबी रेल पटरियां विनिर्मित की जा रही हैं।
17. संरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वेल्डिंग/पटरियों की विफलता पर निगरानी रखने के लिए अत्यधिक सर्दी के दौरान रात के समय रेलपथ की कोल्ड वेदर पैट्रोलिंग की जाती है।
18. पटरियों के दोष का पता लगाने और उन्हें समय पर बदलने के लिए पटरियों का अल्ट्रासोनिक फ्लॉ डिटेक्शन (यूएसएफडी) परीक्षण किया जाता है। उत्तर रेलवे में यूएसएफडी व्हीक्यूलर टेस्टिंग सिस्टम शुरू किया गया है और इसे सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया गया है।
19. कीमैन और पेट्रोलमैन को ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) आधारित ट्रैकर उत्तरोत्तर ढंग से मुहैया कराए जा रहे हैं ताकि उनकी मूवमेंट पर निगरानी रखी जा सके और असुरक्षित स्थिति का पता चलने पर उन्हें तत्काल सूचित किया जा सके।
20. मानवीय चूक कम करने के लिए रेलपथ अनुरक्षण का उत्तरोत्तर ढंग से यांत्रिकीकरण किया जा रहा है।
21. डेटाबेस और निर्णय समर्थन प्रणाली को विकसित करने के लिए भारतीय रेलवे पर रेलपथ प्रबंधन प्रणाली शुरू की गई है और रखरखाव की आवश्यकता को तर्कसंगत बनाने और इनपुट को अनुकूलित करने का निर्णय लिया गया है।
22. सुरक्षा पद्धतियों के अनुपालन पर नजर रखने और कर्मचारियों को जागरूक करने के लिए नियमित अंतराल पर संरक्षा अभियान और निरीक्षण किए जा रहे हैं।
23. लिंके हॉफमैन बुश (एलएचबी) किस्म के सवारी डिब्बे बेहतर डिजाइन के सवारी डिब्बे होते हैं, जिनके गाड़ी के पटरी से उतरने की संभावना कम होती है और दुर्घटना के मामले में गंभीर रूप से घायल होने या मृत्यु होने की संभावना भी कम हो जाती है। भारतीय रेल में 2018-19 से पूरी तरह से एलएचबी सवारी डिब्बों का विनिर्माण शुरू कर दिया गया है।
24. संरक्षा उपाय के रूप में बंद/विलय/सब-वे की व्यवस्था करके बड़ी लाइन पर बिना चौकीदार वाले सभी समपार फाटक पहले ही समाप्त कर दिए गए हैं।
25. सभी मेनलाइन सवारी डिब्बों में ड्राई केमिकल पाउडर किस्म के अग्निशामक मुहैया कराए जा रहे हैं। ये पोर्टेबल अग्निशामक हैं और आपातस्थिति में ऑन-बोर्ड कर्मचारियों या यात्रियों द्वारा इनका आसानी से इस्तेमाल किया जा सकता है।

26. बिजली फिटिंग और मिनिएचर सर्किट ब्रेकर (एमसीबी), लाइट फिटिंग, टर्मिनल बोर्ड और कनेक्टर जैसे फिक्सचर्स के लिए उन्नत सामग्री का उपयोग।
27. यात्रियों को ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा करने से रोकने के लिए नियमित अंतराल पर गहन प्रचार अभियान चलाए जाते हैं।

\*\*\*\*\*